नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में '21वीं सदी में विद्यालयी शिक्षा' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुक्रवार से

वर्धा, दि. 05 अप्रैल, 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र और शिक्षा विभाग की ओर से 6 से 8 अप्रैल को ''21वीं सदी में विद्यालयी शिक्षा : बदलते आयाम, हस्तक्षेप और उभरते विकल्प'' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। इस दौरान विशिष्ट वक्तव्य प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा तथा बीज वक्तव्य दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. आनंद प्रकाश देंगे।

उदघाटन के बाद 'शिक्षा में वैकल्पिक हस्तक्षेप : सिद्धातं और अभ्यास' विषय पर एन.आई.ई.पी.ए. नई दिल्ली के डॉ. अनुपम पचौरी एवं ऑर्गनाइजर के सह संपादक, श्री शॉन कश्यप वक्तव्य देंगे। 'शिक्षा में विकल्प: श्री अरबिंद और रबीन्द्र के विद्यालयों का आख्यान' विषय पर गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. मोनिका गुप्ता एवं पाठ भवन, विश्वभारती, शांति निकेतन से श्रीमती बोधिरूपा सिन्हा वक्तव्य देंगी। 'विस्थापन और हाशियाकरण के बीच हस्तक्षेप' विषय पर एन.सी.ई.आर.टी. की प्रो. ऊषा शर्मा, आधारशिला विद्यालय से सुश्री कृति तथा एजुकेशन मिरर के संपादक श्री वृजेश सिंह वक्तव्य देंगे।

7 अप्रैल को 'भारतीय समाज, संस्कृति और शिक्षा' विषय पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. आनंद प्रकाश अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा करेंगे। इसके उपरांत 'भारत में वैकल्पिक शिक्षा के प्रयोग' विषय पर बाबासाहेब आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के संकायाध्यक्ष प्रो. अरबिंद झा, विद्या वनम विद्यालय अनाईकट्टी के श्री टी.एन. श्रीकांथ तथा शिक्षा विभाग के डॉ. आशीष श्रीवास्तव वक्तव्य देंगे। 'महानगरों में औपचारिक शिक्षा में हस्तक्षेप और विकल्प' विषय पर आरंभ विद्यालय दिल्ली की श्रीमती

नमिता, राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, दिल्ली के डॉ. अजय चौबे तथा मंशा विद्यालय, दिल्ली के मनीष बोरोनिया अपना वक्तव्य देंगे। 'वैश्वीकरण के दौर में शिक्षा' विषय पर इग्नू दिल्ली के डॉ. गौरव सिंह, केंद्र विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के डॉ. नवनीत शर्मा तथा आनंद निकेतन विद्यालय भोपाल के श्री अंकित सिंह अपना वक्तव्य देंगे।

6 अप्रैल को 'संपोषणीय विकास के लिए शिक्षा' विषय पर इमली महुआ विद्यालय के प्रबंधक प्रयाग जोशी, सागर विश्वविद्यालय के डॉ. संजय शर्मा तथा युवा चेतना आश्रम लखनऊ के शरद पटेल वक्तव्य देंगे। 'संपोषणीय विकास के लिए शिक्षा' विषय पर आधारशीला लर्निंग सेंटर के अमित तथा आनंद निकेतन, वर्धा के प्रदीप दास गुप्ता अपना वक्तव्य देंगे। इसके पश्चात 21वीं सदी में विद्यालयी शिक्षा' विषय पर आर.आर.ई. भोपाल के प्रो. बी. रमेश बाबू विशिष्ट व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आहवान संगोष्ठी समन्वयक डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र ने किया है।